



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 फाल्गुन 1935 (श०)
(सं० पटना 205) पटना, शुक्रवार, 28 फरवरी 2014

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

8 जनवरी 2014

सं० 22 नि० सि०(डि०)-14-11/2006/27—श्री विजय कुमार सिन्हा, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता (आई०टी०-1904) के सिंचाई प्रमण्डल, नावानगर में पदस्थापन के दौरान जिला पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा सोन नहर सेवा पथ के कार्यों की गुणवत्ता दयनीय होने का प्रतिवेदन विभागीय आयुक्त एवं सचिव को प्राप्त होने पर निर्माणधीन सेवापथ के कार्यों की गुणवत्ता एवं विशिष्टियों की जाँच हेतु आई०आर०आई०, खगोल के कार्यपालक अभियन्ता, प्रशिक्षण प्रमण्डल-2 के नेतृत्व में विभागीय स्तर पर एक जाँच समिति गठित की गई। जाँच समिति के जाँच फल एवं जाँच प्रतिवेदन के आधार पर कार्यों की गुणवत्ता के सम्बन्ध में स्वतः स्पष्ट एवं आत्मभारित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश परिक्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता, डिहरी को अभियन्ता प्रमुख (मध्य) द्वारा दिया गया। जाँच प्रतिवेदन के साथ मुख्य अभियंता, डिहरी के विस्तृत प्रतिवेदन की समीक्षा विभाग के स्तर पर की गई। तदनुसार प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित आरोपों के लिये चार प्रमण्डलों यथा— सोन नहर आधुनिकीकरण प्रमण्डल, पीरो, सिंचाई प्रमण्डल, नावानगर, सोन नहर आधुनिकीकरण प्रमण्डल, नासरीगंज एवं सोन नहर प्रमण्डल विक्रमगंज के अधीन नहर सेवापथ के निर्माण में बरती गई अनियमित्ता के लिए श्री विजय कुमार सिन्हा, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमण्डल, नावानगर के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-17 में निहित प्रावधान के अनुसार विभागीय कार्यवाही चलाई गई। संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन में आरोपित पदाधिकारी से प्राप्त स्पष्टीकरण एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आरोप प्रमाणित नहीं पाया गया। तदोपरान्त विभागीय समीक्षा के दौरान संचालन

पदाधिकारी के जॉच प्रतिवेदन से असहमति के बिन्दु पर द्वितीय कारण पृच्छा की गई। आरोपित पदाधिकारी से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा के उपरान्त व्यवहृत मेटल के साईंज के संबंध में ओभर साईंज का आरोप प्रमाणित पाया गया।

उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री विजय कुमार सिन्हा, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमण्डल, नावानगर के विरुद्ध विभागीय अधिसूचना संख्या—1385 दिनांक 30.11.2009 द्वारा दो वेतनवृद्धि पर असंचायात्मक प्रभाव से रोक का दण्ड संसूचित किया गया।

उक्त मामले में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त परिवाद के आलोक में श्री विजय कुमार सिन्हा, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमण्डल, नावानगर के विरुद्ध संचिका संख्या—22 नि०सि० (डि०) 14—11/2006 एवं 22 नि०सि० (डि०) 14—36/07 में कार्यवाही चल रही थी जिसमें समेकित रूप से समीक्षोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि चूंकि सदृश मामले में उन्हे विभागीय अधिसूचना संख्या—1385 दिनांक 30.11.2009 द्वारा दण्ड संसूचित किया जा चुका है अतएव संचिका संख्या—22 नि०सि० (डि०) 14—11/2006 एवं 22 नि०सि० (डि०) 14—36/2007 में चल रही कार्यवाही को बंद कर दिया जाय।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री विजय कुमार सिन्हा, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमण्डल, नावानगर के विरुद्ध संचिका संख्या—22 नि०सि० (डि०) 14—11/2006 एवं 22 नि०सि० (डि०) 14—36/2007 में चल रही कार्यवाही को बन्द करते हुए उन्हें संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
श्याम कुमार सिंह,
सरकार के विशेष सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 205-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>